The Hindu- 19- December-2022

Pelicans flock to Cooum river as inflow of water rises after rain

Geetha Srimathi
CHENNAI

In a rare occurrence, pelicans have gathered at Cooum river, which is usually choked with sewage, near the Napier Bridge in the city.

The sight of the birds, that are being spotted for a few weeks now, has surprised onlookers and bird enthusiasts. Environmentalists, however, say this is a temporary phenomenon.

Murugavel T., a conservationist, said birds generally gather near a river or a lake for roosting during migration. Birds such as Cattle Egret, Little Egret and Red-wattled Lapwing are usually found near the banks of the Cooum, he said.

Winged visitors: The sighting of the pelicans in Cooum river has surprised onlookers and bird enthusiasts, as it is a rare phenomenon. K.V. SRINIVASAN

The waterway has attracted several birds near the Napier Bridge

Fish factor

One possible reason for the gathering of pelicans could be the inflow from the rainfall in November. This, he explained, could have brought fishes to the Cooum, and the pelicans might have come there for the catch. Referring to a sighting of a Greylag Goose, a species normally present in the Himalayan range, at the Adyar Estuary nearly two months ago, Mr. Murugavel suggested that the pelicans in the Cooum might also be a temporary phenomenon. "Unless the river is restored, it will not support any bird life," he said.

Officials of the Water Resources Department (WRD) said water released from Kesavaram anicut had reached the city stretch of the river.

The fresh water flow had recharged groundwater tables in the upper reaches and flushed out sewage in the city portion of the river. The waterway carried about 1,500 cusecs of floodwater now. It had attracted several birds, and fishes were spotted near the Napier Bridge during the northeast monsoon, officials said.

The river is currently being restored under the Chennai Rivers Restoration Trust (CRRT), and the WRD has identified nearly 13,952 encroachments to be cleared along various stretches of the river.

Deccan Chronicle- 19- December-2022

Bhagwat set to address meet in Ujjain on water sacrality Dec. 28

DC CORRESPONDENT
NEW DELHI, DEC. 18

Rashtriya Swayamsevak Sangh chief Mohan Bhagwat will on December 28 deliver the plenary lecture at an international conference in Ujjain on creating an Indic discourse on the sacrality of water and juxtaposing it with scientific thought.

The conference titled "SuJalam", organised by the ministry of jal shakti and Deendayal Research Institute (DRI), will be held from December 27 to 29 on the banks of Shipra river.

The three-day conference will have sessions on the conceptual and circumstantial challenges faced by the water sector and the glorification of the element of water in the Indian knowledge system.

The conference will also focus on the description of water in folk traditions, social customs and rituals and efforts to prepare a compendium of festivals related to water and their scientific analysis.

Jal shakti minister Gajendra Singh Shekhawat will inaugurate the conference in Ujjain on December 27. Mr Bhagwat will deliver the plenary lecture on December 28 and Madhya Pradesh governor Mangubhai Patel and civil aviation minister Jyotiraditya Scindia will attend the valedictory function on December 29.

The conference is part of a series of events titled "Sumangalam", which are aimed at presenting the unique Indian concept of securing the purity of the five basic elements of nature or "panchamahabhoota" — earth, water, fire, air and space — and attaining a balance between those for the survival and sustainability of life on earth.

Amar Ujala- 19- December-2022

यमुना में अमोनिया बढ़ने से तीस फीसदी इलाकों में पेयजल संकट

दिल्ली जल बोर्ड के तीन संयंत्र पूरी क्षमता से चलने हुए बंद

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना में अमोनिया की मात्रा बढ़ने से जल बोर्ड के वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जलशोधक संयंत्र पूरी क्षमता से चलने बंद हो गए हैं। इस कारण राजधानी के करीब 30 प्रतिशत इलाके में पेयजल संकट पैदा हो गया है।

जल बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, यमुना में बने वजीराबाद तालाब में शनिवार को शाम अमोनिया की मात्रा बढ़ी। इससे तीनों संयंत्रों के अगले कई दिनों तक पूरी क्षमता से चलने की संभावना नहीं है। लिहाजा, इन संयंत्रों से जुडे इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। हरियाणा के कई शहरों से यमुना में काफी मात्रा में रसायनिक कचरा बहा दिया गया है। तीनों संयंत्र पूरी क्षमता से चलने बंद होने से नई दिल्ली, सिविल लाइंस, हिंदूराव अस्पताल, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाड़गंज राजेंद्र नगर, पटेल नगर, बलजीत नगर, प्रेम नगर, इंद्रपुरी, कालकाजी, गोविंदपुरी, तुगलकाबाद, संगम विहार, आंबेडकर नगर, प्रह्लादपुर, रामलीला ग्राउंड, दिल्ली गेट, सुभाष पार्क, मॉडल टाउन, गुलाबी बाग, पंजाबी बाग, जहांगीरपुरी, मूलचंद, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश, बुराड़ी, दिल्ली छावनी व आसपास के इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

फाइल फोटो

दो दिन तक यहां नहीं आएगा पानी

जल बोर्ड अगले दो दिनों तक कई भूमिगत जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की सफाई करेगा। इस कारण कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति नहीं आएगी। जल बोर्ड के अनुसार, सोमवार को गिरी नगर, गोविंदपुरी, कालकाजी, कसाबपुरा, डिप्टी गंज, नबी करीम, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, नई सड़क, चांदनी चौक, आनंद पर्वत, बापा नगर, रामजस टैंक बूस्टर एरिया, मयूर विहार, सूरज मल विहार, विश्वास नगर, कस्तूरबा नगर, योजना विहार, श्रेष्ठ विहार, ज्वाला नगर, झिलमिल, वसुंधरा एन्क्लेव, विकासपुरी में पानी नहीं आएगा। जबकि मंगलवार को सीआर पार्क, प्रेम नगर, पटेल नगर, दिलशाद गार्डन, प्रीत विहार, शकरपुर, लक्ष्मी नगर, पटपड़गंज, पश्चिम विनोद नगर, गाजीपुर गांव, तिलक नगर, बिंदापुर में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। ब्यूरो

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Navbharat Times- 19- December-2022

File Photo

यमुना में लगातार बढ़ रहा प्रदूषण

■ **विस, नई दिल्ली:** मॉनसून जाने के बाद से ही यमुना में प्रदूषण बढ़ रहा है। अक्टूबर की तुलना में यमुना नवंबर में अधिक प्रदूषित रही। डीपीसीसी (दिल्ली पल्यूशन कंट्रोल कमिटी) की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

डीपीसीसी के अनुसार, राजधानी में यमुना में सबसे अधिक प्रदूषण वजीराबाद और आईएसबीटी ब्रिज पर है। वजीराबाद में डीओ (डिजॉल्वड ऑक्सीजन) और कॉलिफोर्म का स्तर बढ़ना शुरू होता है। इनसे पानी प्रदूषित होता है।

> अक्टूबर से अधिक प्रदूषित रही नवंबर में यमुना

रिपोर्ट के अनुसार बीओडी (बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड) और कॉलिफोर्म का स्तर अक्टूबर की तुलना में नवंबर में अधिक रहा है। कॉलिफोर्म का स्तर कुछ जगहों पर सामान्य से 272 गुना तक अधिक दर्ज हुआ। डीपीसीसी ने यमुना में आठ जगहों से पानी के सैंपल दो नवंबर को लिए थे।

एक्सपर्ट के अनुसार कॉलिफोर्म सीवरेज की वजह से बढ़ता है। इसका साफ मतलब यह है कि नदी में अभी भी शहर का सीवर जा रहा है। इंडस्ट्री से अधिक घरेलू सीवर नदी को प्रदूषित कर रहा है।

नवंबर में यमुना में प्रदूषण

जगह	DO	BOD	कॉलिफोर्म
पल्ला	9.1	2	1,100
वजीराबाद	5.4	8	1,700
ISBT ब्रिज	नहीं	50	2,10,000
अजगरपुर	नहीं	750	6,80,000

मानक

DO का न्यूनतम स्तर 5 एमजी/लीटर

BOD का अधिकतम स्तर 3 एमजी प्रति लीटर

कॉलिफोर्म का अधिकतम स्तर 2,500 एमपीएन प्रति 1,000 मिलीलीटर

Hari Bhoomi- 19- December-2022

भागवत 28 को जल संरक्षण सम्मेलन में उज्जैन आएंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत 28 दिसंबर को उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय

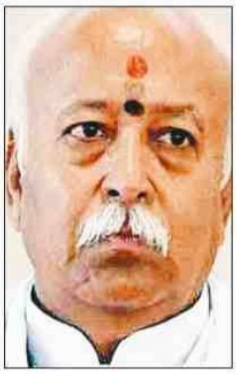

सम्मेलन में जल की पवित्रता पर भारतीय संवाद बनाने और इसके वैज्ञानिक सोच पर व्याख्यान देंगे। वह जल संरक्षण पर भी बात रखेंगे। जल शक्ति मंत्रालय और दीनदयाल अनुसंधान संस्थान द्वारा सुजलाम नाम से आयोजन शिप्रा नदी के तट पर किया जाएगा।